पाठ्यक्रम

प्रस्तुत पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा के चारों कौशलों-सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना पर अनुपात के अनुसार बल दिया गया है। व्याकरण तथा भाषा-प्रयोग चूँकि सभी कौशलों पर अधिकार प्राप्त करने के लिए समान रूप से आवश्यक है, अतः संदर्भ के अनुसार उनका शिक्षण किया गया है तथा उनका मूल्यांकन भी होगा। भाषा-कौशल ऐसा धन है, जिसका जितना अधिक प्रयोग किया जाए, उतना ही अधिक बढ़ता है, भाषा पर अच्छा अधिकार प्राप्त किया जा सकता है।

पाठ्यक्रम का विवरण

लक्ष्य : इस इकाई का उद्देश्य सुनकर भाषा का अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास करना है।

इकाई :
1. हिंदी ध्वनियों का शुद्ध उच्चारण, बलाघाता, स्वराघाता, अनुतान सुनना।
2. वार्तालाप, भाषण, वक्तव्य, प्रश्न, तर्कसहित उत्तर सुनना।

बोलना

लक्ष्य : इस इकाई का उद्देश्य अपने विचार स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने और स्थिति के अनुरूप अपनी बात कहने के कौशल का विकास करना है।

इकाई :
1. हिंदी ध्वनियों का शुद्ध उच्चारण, बलाघाता, स्वराघाता, अनुतान के साथ बोलने का कौशल।
2. सामान्य स्थिति (औपचारिक तथा अनौपचारिक) में वार्तालाप, अपना परिचय देना, भाषा, वक्तव्य, प्रश्न करना, विचार रखना, तर्क (पक्ष तथा विपक्ष में) प्रस्तुत करना, संवाद में भूमिका निर्वाह, भाव के अनुकूल कविता का वाचन, कथन तथा विवरण, साक्षात्कार, मंच संचालन, कहानी-वाचक का कौशल विकसित करना।

पढ़ना

लक्ष्य : इस इकाई का उद्देश्य मुद्रित तथा हस्तलिखित सामग्री का मुखर तथा मौन वाचन कर अर्थग्रहण की क्षमता का विकास करना है। जीवन में मुख्यतः भाषा के दो रूपों में सामग्री शिक्षार्थी के सामने आती है। पहला-भाषा का काव्य-रूप तथा दूसरा-गद्य-रूप।

इकाई :
1. **कविता का पठन—कविता के विविध रूपों से परिचय, केंद्रीय भाव, सराहना तथा काव्यगत विशेषताओं का** अध्ययन। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए निम्नलिखित कवियों की रचनाएँ पाठ्यसामग्री में दी गई हैं—
2. कबीर, रहीम, वृंद, मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, भवानी प्रसाद मिश्र, निर्मला पुतुल और बालचंद्रन चुल्लिक्काड।
   - बहु-प्रयुक्त छंद, अलंकार का संदर्भानुसार शिक्षण।
3. **गद्य का पठन**—गद्य की विविध विधाओं का परिचय, व्याख्या, शैलीगत विशेषताओं का परिचय कराते हुए शिक्षार्थियों को अपठित गद्य के पठन की ओर उन्मुख किया गया है।
   कहानी, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, फीचर, निबंध, पत्रकारिता, नाटक, विज्ञान-लेख के साथ-साथ व्याकरण तथा भाषा-प्रयोग के निर्धारित बिंदुओं का संदर्भानुसार शिक्षण।

Scanned by CamScanner

लिखना

लक्ष्य : इस इकाई का उद्देश्य शिक्षार्थियों को विविध प्रकार के लेखन-कौशल में सक्षम बनाना है, ताकि वे जीवन में आवश्यकता के अनुसार प्रयोजनपरक तथा अभिव्यक्तिपरक प्रभावी लेखन कर सकें।

लक्ष्य : **प्रयोजनपरक**

- समाचार-लेखन
- पत्र-लेखन (औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्र)
- व्यावसायिक पत्र, संपादक के नाम पत्र

अभिव्यक्तिपरक

- सार-लेखन
- निबंध-लेखन

व्याकरण तथा व्यावहारिक भाषा-प्रयोग

लक्ष्य : इस इकाई का उद्देश्य शिक्षार्थी को व्याकरण के विविध बिंदुओं का बोध कराना तथा उनका संदर्भ के अनुसार भाषिक प्रयोग कराना है, जिससे वे शुद्ध तथा उपयुक्त भाषा के प्रयोग में दक्षता प्राप्त कर सकें।

इकाई :

- विभिन्न रूपों में हिंदी भाषा की स्थिति—राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा।
- भाषा का मानक रूप, लिपि, वर्ण-व्यवस्था, विराम चिह्न आदि।
- शब्द-रचना-उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास।
- शब्द प्रकार-तत्सम, तद्भव, देशज, आगत; पर्याय, विलोम, अनेकार्थक; अनेक शब्दों के लिए एक शब्द; रूप-आकार में एक समान शब्दों में अंतर।
- वाक्य-संरचना-कर्ता, कर्म, क्रिया, कारक; पदक्रम, अन्विति; सरल, संयुक्त तथा मिश्रित वाक्य-संरचनाएँ।
- मुहावरे-लोकोक्तियाँ।
- छंद-दोहा, सवैया, पद तथा मुक्त छंद।
- अलंकार-अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अन्योक्ति, दृष्टांत, मानवीकरण।

मूल्यांकन-योजना

हिंदी भाषा के प्रस्तुत पाठ्यक्रम का मूल्यांकन इस प्रकार किया जाएगा—

1. **बाह्य मूल्यांकन**

   मुख्य (लिखित) परीक्षा

2. **आंतरिक मूल्यांकन**

   शिक्षक अंकित मूल्यांकन-पत्र

परीक्षा केंद्र पर प्रत्येक शिक्षार्थी की 100 अंकों की लिखित परीक्षा ली जाएगी।
शिक्षार्थी को तीन शिक्षक अंकित मूल्यांकन-पत्र अध्ययन केंद्र से प्राप्त होंगे, उन्हें हल करके अध्ययन-केंद्र पर सुनिश्चित तिथि तक वापस करना होगा। इनमें से किसी एक के ग्रेड प्रदर्शित किए जाएँगे।

•□•□•

Scanned by CamScanner